M. A. (Final) Examination, 2001

DRAWING AND PAINTING

Paper-I

Aesthetcs

Time: 3 Hours
Maximum Marks: 100

किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए
सभी प्रश्नो के अंक समान है।

1. प्लेटो के अनुसार प्रयोजनीय कला एवं नैतिकता पर एक निबंध लिखिये।

2. किस रोमन दार्शनिक ने कुरूपता को सकारात्मक स्प में अपनाया एवं उसे सौन्दर्य से जोडा? एक लेख लिखिये।

3. सांतायाना के सौदर्यशास्त्रीय चिन्तन के प्रमुख तत्व क्या है? मूल्यांकन कीजिये।

4. ''कला इच्छापूर्ति तथा अतृप्त कामेवछा के उर्ध्वीकरण साधन है।'' इस कथन के संदर्भ में फ्रायड के विचारों की विवेचना कीजिये।

5. कला व उससे संबंधित समस्याओं पर आधारित सूजन लैंगर के विचारों की व्याख्या कीजिए। ललित कलाओं में अंत: संबंध की सथापना उनके द्वारा किस प्रकार की गयी है?

6. ''आनन्द कुमारी स्वामी ने भारतीय कला की व्याख्या दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में की है।'' इस कथन की उदाहरण सहित पुष्टि करते हुए कला के क्षेत्र में उनके योगदान का मूल्यांकन कीजिये।

7. एक कलाकार व सौन्दर्य चिन्तक के रूप में रविन्द्र नाथ टैगोर के योगदान की समीक्षा कीजिये।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

8. रस शब्द से आप क्या समझते है? नाटक के अतिरिक्त अन्य ललित कलाओं में रसनिष्पति के महत्व एवं प्रयोग पर एक निबंध लिखिये।

9. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

   अ- भरत मुनि

   ब- मध्ययुगीन दार्शनिक विचार

   स- भट्ट लोल्लट

10. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

   अ- कांट

   ब- हेगेल

   स- लियोनार्डो-द-विन्सी

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com